**31.08.2022**

**मेक्सिको के चेंबर ऑफ डेप्यूटीज़ के स्पीकर द्वारा आयोजित मध्याह्न भोज के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन**

---

*चेंबर ऑफ डेप्यूटीज़ के स्पीकर, महामहिम श्री सर्जियो गुटरेज लूना;*

*गणमान्य सदस्यो एवं देवियो और सज्जनो*;

---

- इस सुंदर और ऐतिहासिक शहर में आप सबके साथ होना हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। आपके भव्य स्वागत के लिए आपका हार्दिक आभार। मुझे विश्वास है कि हमारी इस यात्रा से भारत और मेक्सिको की संसदों और जनता के बीच मित्रता और सहयोग को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

- मेक्सिको के साथ भारत के राजनीतिक संबंध सदैव मधुर और सौहार्दपूर्ण रहे हैं। दोनों ही देशों की प्राचीन एवं समृद्ध सांकृतिक विरासत है।

- आज दोनों देश लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था के अंतर्गत अपने नागरिकों की समृद्धि एवं विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

- महामहिम, आप सबसे मिलना मेरे लिए प्रसन्नता की बात है। लोकतान्त्रिक देशों के संसदीय शिष्टमंडलों के आदान-प्रदान से उनके बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायता मिलती है। अपने बहुमुखी संबंधों को और आगे ले जाने के लिए संसद के स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

- महामहिम, भारत दुनिया का सबसे बड़ा कार्यशील लोकतंत्र है। भारत और मेक्सिको दोनों देश लोकतंत्र में गहरी आस्था तथा लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास रखते हैं। यह आस्था और विश्वास ही दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाती है।

- भारत और मेक्सिको के विचारों में अत्यधिक समानता है। भारत सदैव से ही विश्व में शांति और स्थिरता का पक्षधर रहा है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ हमारा प्रयास रहा है कि पूरा विश्व प्रगति की ओर बढ़े तथा मानवता का कल्याण हो।

- इसी प्रकार आपके भी प्रयास विश्व में शांति और स्थिरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में रहते हैं, इसके लिए मैं आपका साधुवाद व्यक्त करता हूं।

- दोनों देश के बीच अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विभिन्न मुद्दों पर आपसी सहयोग की लंबी परम्परा रही है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारे बीच कला, संस्कृति और अन्य विषयों पर परस्पर संपर्क एवं सहयोग में वृद्धि हुई है।

- महामहिम, मुझे बताया गया है कि मेक्सिको वासियों की भारत की संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और इसके बहुलवादी लोकतंत्र में बहुत रूचि है। यहां महात्मा गांधी, टैगोर और मदर टेरेसा का भी बहुत आदर किया जाता है। मेक्सिको के कई नगरों में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित हैं।

- मुझे आशा है कि आपके यहां आने से हमारे संसदीय संबंध और अधिक सशक्त और मजबूत होंगे। इस यात्रा के दौरान हम जो अनुभव और विचार साझा करेंगे, उससे दोनों ही देशों में लोकतंत्र मजबूत होगा तथा हम लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से देश की जनता का सामाजिक-आर्थिक रूप से कल्याण कर पाएंगे।

धन्यवाद।